FA	2

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : सप्तमी **विषय : संस्कृतम्**

PAPER CODE : 7051 **पूर्णांक : 10**

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ' **(अंक 05)**

LO – LS - 709 – व्याकरणिक नियमों का छोटे–छोटे व्याक्यों में पालन कर सकते है।

गतिविधि 01 – अव्यय को जाने (अव्यय परिचयः)

उद्देश्य – विद्यार्थियों में अव्यय का प्रयोग करके वाक्य निर्माण करने की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री – गत्ता (कार्डबोर्ड) जिसमें अव्यय लिखा हुआ हो। टोकरी (कण्डोलः)।

शिक्षक कार्य – बच्चों आज हम अव्यय शब्दों का प्रयोग करके कुछ सरल वाक्यों का निर्माण करेंगे जिन अव्यय शब्दों का उपयोग हम दैनिक जीवन में बोलते समय करते हैं। टोकरी में रखे गत्तों (कार्ड बोर्ड) में से बिना देखे एक गत्ता उठाओं और उसमें लिखे अव्यय को देखकर जोर से पढ़ो तत्पश्चात् उस अव्यय से एक वाक्य का निर्माण करके वाक्य को जोर से बोलकर बताओ।

गतिविधि के चरण –

1. पाठ्यपुस्तक में आए हुए अव्यय पदों से लिखे हुए गत्तों से भरी टोकरी (कण्डोलः) मेज पर रखेंगे।
2. शिक्षक एक–एक गत्ता क्रमशः उठाकर उसमें लिखे अव्यय पदों को पढ़कर उसका अर्थ बताएंगे और कुछ अव्यय शब्दों का उपयोग कर वाक्य बनाकर बताएंगे।
3. इसके पश्चात् एक–एक छात्र क्रमशः आकर टोकरी से एक गत्ता उठाकर उसमें लिखे अव्यय को जोर से पढ़ेगा।
4. गत्ते में लिखे अव्यय पद से एक वाक्य बनाकर उसे भी जोर से पढ़ेगा।
5. प्रत्येक विद्यार्थी को पाँच–पाँच अवसर देना है।
6. प्रत्येक अवसर पर एक अंक निर्धारित है। कुल पाँच अंक होंगे।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	अवसर					योग
		1	2	3	4	5	

गतिविधि 02 – पूर्वे योजयतु (उपसर्ग का खेल)

उद्देश्य – विद्यार्थियों को संस्कृत के उपसर्गों का ज्ञान कराना एवं उसे जोड़कर नए शब्दों का निर्माण करना सिखाना।

आवश्यक सामग्री – उपसर्ग एवं उपसर्ग के बाद लगाने हेतु शब्दों का संग्रह, गत्ता, 2 टोकरी या डिब्बा।

शिक्षक कार्य – बच्चों चलो आज शब्दों को जोड़ना सीखते हैं। टोकरी में रखे शब्दों में उपसर्ग वाले टोकरी से शब्द चुनकर उपसर्ग को शब्द से पहले जोड़कर सार्थक शब्द बनाएंगे।

गतिविधि के चरण –

1. एक टोकरी में शब्दों के गत्ते रखेंगे तथा दूसरे टोकरी में उपसर्ग लिखे हुए गत्तों को रखेंगे।
2. उपसर्गों और शब्दों के अर्थ से छात्रों को अवगत कराएँगे।
3. तत्पश्चात् छात्र क्रमशः शब्दों के पहले उपसर्ग जोड़कर नए सार्थक शब्द बनाएँगे।
4. यही क्रम छात्र पाँच बार अलग–अलग शब्दों अथवा उपसर्गों का उपयोग कर सार्थक शब्द बनाएँगे।
5. सही शब्द जोड़ने पर एक अवसर में एक अंक दिया जायेगा इसी प्रकार पाँचों चक्रों का मूल्यांकन एक–एक अंक के लिए किया जावेगा। कुल पाँच अंक होंगे।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	अवसर					योग
		1	2	3	4	5	

गतिविधि 03 – विशेषण–विशेष्य खेल (उपसर्ग का खेल)

उद्देश्य – पाठ आधारित विशेषण–विशेष्य को सम्यक् जान पाएँगे।

आवश्यक सामग्री – विशेषण–विशेष्य शब्दों का संग्रह, दो डिब्बे, कागज का गत्ता, वर्ण लेखनी (स्केच पेन)

शिक्षक कार्य – बच्चों आज हम विशेषण और विशेष्य पदों की जानकारी करेंगे।

गतिविधि के चरण –

1. दो टेबल पर एक–एक डिब्बे रखेंगे।
2. एक डिब्बे में विशेषण पद और दूसरे डिब्बे में विशेष्य पद लिखे हुए गत्ते को डालेंगे।
3. एक छात्र विशेषण पद के डिब्बे के एक पद निकालेगा और उसके विशेष्य पद को विशेष्य पद के डिब्बे से निकालकर उसे जोड़कर बोलेगा।
4. इसी प्रकार पाँच चरणों में इस खेल को प्रत्येक छात्र करेगा।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	चरण					योग
		1	2	3	4	5	

खण्ड 'ब' (अंक 05)

LO – LS - 706 संस्कृत में लिखित लेख कहानी व श्लोको को शुद्वोच्चारण के साथ पढ़ते हैं।

गतिविधि 01 – श्लोक एवं सूक्ति वाचन

उद्देश्य – विद्यार्थियों में संस्कृत श्लोक व सूक्ति को शुद्धता एवं लय के साथ उच्चारण करने की क्षमता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री – श्लोक व सूक्ति लिखी हुई तख्ती, छड़ी

शिक्षक कार्य – बच्चों! आज हम श्लोक व सूक्ति, जो पाठ्यपुस्तक में है, उनका शुद्ध एवं लययुक्त उच्चारण करेंगे।

गतिविधि के चरण –

1. शिक्षक श्लोक व सूक्ति लिखी हुई तख्ती को अपने हाथ में लेकर छात्रों की ओर प्रदर्शित करेंगे और एक–एक छात्रों को क्रमशः लय में शुद्ध उच्चारण करने हेतु कहेंगे।

2. छात्र क्रमशः श्लोक व सूक्ति का शुद्ध लय में वाचन करेंगे साथ ही शिक्षक मूल्यांङ्कन करेंगे।
3. प्रत्येक श्लोक व सूक्ति के शुद्ध वाचन पर 1–1 अंक निर्धारित है।
4. इसी प्रकार प्रत्येक छात्र के लिए 5 अवसर प्रदान करेंगे।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	चरण					योग
		1	2	3	4	5	

गतिविधि 02 – लघुकथा वाचन

उद्देश्य – संस्कृत पाठ्यपुस्तक के अन्तर्गत पठित लघु संस्कृत कथाएँ सुना सकेगा।

आवश्यक सामग्री – पाठ्यपुस्तक, सुधाखण्ड (चॉक), मार्जनी (डस्टर), श्यामपट

शिक्षक कथन – बच्चों! आइए आज संस्कृत में कथा वाचन करते हैं। मैं आपको पाठ्यपुस्तक के अनुसार शीर्षक लिखकर बता रहा हूँ। आप शीर्षक के आधार पर पाँच वाक्य बनाकर बोलेंगे।

गतिविधि के चरण –

1. सर्वप्रथम शिक्षक श्यामपट पर पाठ्यपुस्तक में आए लघुकथानकों के शीर्षक को लिखेंगे।
2. एक–एक छात्र से क्रमशः शीर्षक के अनुसार लघुकथा पाँच वाक्यों में बोलने के लिए कहेंगे।
3. छात्र द्वारा शीर्षक सुनकर एक लघुकथा पांच वाक्यों में सुनाया जावेगा।
4. शिक्षक व्याकरणिक व उच्चारण संबंधी शुद्धि/अशुद्धियों के आधार पर मूल्यांकन करेंगे।
5. प्रत्येक सही वाक्य पर एक अंक प्रदान करेंगे।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	वाक्य					योग
		1	2	3	4	5	

गतिविधि 03 – ''शब्दरूप क्रीडा''

उद्देश्य – खेल खेल में बच्चों को शब्दरूप सिखाना तथा साथ में विभक्ति और वचनों की जानकारी कराना।

आवश्यक सामग्री – श्वेतचित्र फलक (ड्राइंग शीट), गत्ताखंड, टोकरी, (कण्डोलः) गोंद, कैंची (कर्तरी), वर्ण लेखनी (स्केच पेन) ।

शिक्षक कथन – बच्चों! आओ आज हम शब्दरूप–क्रीडा करते हैं। यहाँ दीवाल पर श्वेत चित्र फलक लगा हुआ है, जिसमें चार खण्ड बने हुए हैं – पहला खण्ड विभक्ति का है, जिसमें पहले से ही विभक्तियाँ लिखी हुई हैं। दूसरा खण्ड एकवचन, तीसरा खण्ड द्विवचन और चौथा खण्ड बहुवचन का है, जो रिक्त है। टोकरी में गत्ते पर लिखे हुए शब्द रूप रखे हुए हैं। एक–एक छात्र क्रमशः आकर एक गत्ता उठाकर उसे जोर से पढ़कर श्वेत चित्र फलक में उसके उचित स्थान पर लगाएगा।

गतिविधि के चरण –

1. टेबल पर टोकरी में शब्दरूप लिखे हुए गत्ते रखेंगे।
2. दीवाल या श्यामपट पर श्वेत चित्र फलक को टांगकर रखेंगे।
3. एक–एक छात्र/छात्रा क्रमशः आकर टोकरी में से एक गत्ता उठाकर उसमें लिखे हुए शब्दरूप के अंश को जोर से पढेगा/पढेगी।
4. इस प्रकार समूह बनाकर भी किया जा सकता है।
5. अलग–अलग शब्दरूपों का परीक्षण इसी प्रकार पाँच चरणों में प्रत्येक छात्र के लिए कर सकेंगे।
6. छात्र संख्या के आधार पर विभक्तियों को भी दो समूहों में बाँटा जा सकता है – यथा, प्रथमा से चतुर्थी तक और पञ्चमी से सम्बोधन तक।

आकलन प्रारूप

क्र.	विद्यार्थियों का नाम	चरण					योग
		1	2	3	4	5	

●●●